[This question paper contains 04 printed pages]
इस प्रश्न पत्र में 04 मुद्रित पृष्ठ हैं

Roll Number / रोल नंबर: _____

HPAS Etc. Combined Competitive (Main) Examination, 2019

हि.प्र.प्र.से. आदि संयुक्त प्रतियोगी (मुख्य) परीक्षा, 2019

Economics-I / इकोनॉमिक्स-I

Time Allowed: 3 Hours | Maximum Marks: 100

अनुगत समय: 3 घंटे | अधिकत्तम अंक: 100

Note / नोट:

1. This question paper contains total eight questions.
   इस प्रश्न पत्र में कुल आठ प्रश्न हैं।
2. *Attempt any five questions including compulsory question No.1.*
   अनिवार्य प्रश्न नंबर 1 सहित किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
3. Each question carries equal marks. Marks are divided and indicated against each part of the question. Write answer in legible handwriting. Each part of the question must be answered in sequence and in the same continuation.
   प्रत्येक प्रश्न के समान अंक हैं। प्रश्न के अंकों को विभाजित कर प्रश्न के प्रत्येक भाग के विरूद्ध इंगित किया गया है। उत्तर स्पष्ट लिखावट में लिखें। प्रश्न के प्रत्येक भाग का उत्तर उसी क्रम में दिया जाना चाहिए।
4. Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in answer book must be clearly struck off.
   प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं है, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।
5. *Re-evaluation / Re-checking of answer book is not allowed.*
   उत्तरपुस्तिका के पुनर्मूल्यांकन / पुन: जाँच की अनुमति नहीं है।

---

1. Answer the following questions in brief: - (05x04 =20)
   निम्नलिखित प्रश्नो का उत्तर संक्षेप में दीजिये:-

   (a) How far is it correct to say that under the assumption of New Classical rational expectations systematic monetary policy will be ineffective?
   यह कहना कहाँ तक सही है कि नवीन शास्त्रीय विवेकशील प्रत्याशा की मान्यता की स्तिथि में पद्धतिबद्ध मौद्रिक नीति अप्रभावी रहेगी?

   (b) "Basic needs approach is a more positive and concrete concept than the double negatives like 'eliminating poverty' or 'reducing unemployment''. Discuss.
   "'मूलभूत आवयश्कता दृश्टिकोण' 'निर्धनता उन्मूलन' और 'बेरोजगारी अल्पीकरण' जैसे दोहरे निषेधात्मक (नकारात्मक) पदों से अधिक सकारात्मक एवं ठोस अवधारणा है" विवेचना कीजिये।

(c) Explain why price competition is rare and uncommon in Oligopoly. Mention few factors that explain price stickiness in Oligopoly market.

अलपाधिकारी बाजार में कीमत प्रतियोगिता क्यों दुर्लभ एवं असामान्य है, समझाइये। एक अल्पाधिकारी बाजार में कीमत स्थिरता की व्याख्या करने वाले कुछ कारकों की चर्चा कीजिये।

(d) How does multinational investment defeat the objectives of inclusive growth?

बहुराष्ट्रीय निवेश किस प्रकार समावेशी संवृद्धि के उददेश्य को विफल कर देता है?

2. "Friedman's quantity theory of money broadly arrives at the same relationship between quantity of money and price level that the traditional Fisherian quantity theory does, but using less restrictive assumptions." Discuss. Why is the theory called 'theory of demand for money'?

"फ्रीडमन का मुद्रा का परिमाण सिद्धांत, मुद्रा के परिमाण और कीमत स्तर में मोटे तौर पर वही समबन्ध स्थापित करता है जो की पारम्परिक फिशर का दृश्टिकोण करता है लेकिन कम प्रतिबंधित मान्यताओं के साथ।" विवेचना कीजिये। इस सिद्धांत को मुद्रा की मांग का सिद्धांत क्यों कहा जाता है ?

(15+5)

3. (a) Distinguish between (i) depreciation and devaluation, (ii) Nominal Effective Exchange Rate and Real Effective Exchange Rate and (iii) Spot Exchange Rate and Forward Exchange Rate.

निम्नलिखित के मध्य भेद कीजिये- (i) मूल्यह्राष एवं अवमूल्यन (ii) नाममात्र (नॉमिनल) प्रभावी विनिमय दर एवं वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (iii) स्पॉट विनिमय दर एवं फॉरवर्ड (वायदा) विनिमय दर (03x03=09)

(b) How far is it correct to say that the purchasing power parity theory of exchange rate is able to explain the changes in exchange rate from a base/initial position due to changes in relative prices but Not how the base/initial exchange rate is actually determined?

यह कहना कहाँ तक उचित है कि क्रय शक्ति समता सिद्धांत एक आधार / प्रारंभिक विनिमय दर में सापेक्षिक कीमत में परिवर्तन के फलस्वरूप होने वाले परिवर्तनों की सही व्याख्या करता है किन्तु इस बात की व्याख्या नहीं करता कि आधार / प्रारंभिक विनिमय दर का निर्धारण किस प्रकार होता है? (11)

4. Examine how the Classical theory of output & employment explain simultaneous equilibrium in labour, product and money markets. How does the theory claim that any change in supply of money in the economy leave the output and employment unchanged?

उत्पादन एवं रोज़गार का शास्त्रीय सिद्धांत किस प्रकार श्रम, उत्पादन एवं मौद्रिक बाज़ारों में समक्षणिक संतुलन की व्याख्या करता है, परिक्षण कीजिये। यह सिद्धांत यह कैसे स्थापित करता है कि मुद्रा की पूर्ति में होने वाला कोई भी परिवर्तन उत्पादन एवं रोज़गार को अपरिवर्तित रखता है।

(14+6)

5. Distinguish between incidence and impact of a tax. Using suitable diagrams show how under condition of perfect competition incidence of a tax depends on elasticities of demand for and supply of the commodity. If supply is inelastic, will shift in demand have a larger impact on equilibrium quantity or price?

   कर के करापात एवं कराघात के मध्य भेज कीजिये। उपयुक्त चित्रों का प्रयोग करते हुए प्रदर्शित कीजिये की किस प्रकार पूर्ण प्रतियोगिता की स्तिथि में करापात वस्तु की मांग एवं पूर्ति की लोच पर निर्भर करता है। यदि पूर्ति बेलोचदार हो तो मांग में विवर्तन साम्य कीमत या मात्रा किसमें अधिक प्रभाव उत्पन्न करेगा? (04 +13+03)

6. Distinguish between Human Development Index and Inequality Adjusted Human Development Index. How are they computed? Briefly explain (i) Why is it important to explain GNI per capita in purchasing power parity international dollars and (ii) Can the HDI alone measure a country's level of human development.

   मानव विकास सूचकांक एवं असमानता समायोजित मानव विकास सूचकांक के मध्य अंतर स्थापित कीजिये। संक्षेप में समझाइये । उनकी माप कैसे होती है? (i) यह क्यों आवश्यक है कि जीएनपी प्रति व्यक्ति को क्रय शक्ति समता अंतर्राष्ट्रीय डॉलर में व्यक्त किया जाये (ii) क्या HDI (एच डी आई) अकेले किसी देश में मानव विकास के स्तर की माप कर सकता है? (04+08 +04+04)

7. Explain the measures adopted and steps taken by the WTO to promote multilateral trading system. How far is it right to attribute the unprecedented existential crisis being faced by WTO in recent times to the opposition of its proponents and dissatisfaction of the emerging market economies who find the dispute settlement mechanism of WTO ineffective?

   बहु पक्षीय व्यापार प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए WTO द्वारा उठाये गए क़दमों को समझाइये। हाल के समय में WTO द्वारा सामना किये जाने वाले अभूतपूर्व अस्तित्वात्मक संकट को किस हद तक उसके प्रस्तावकों के विरोध एवं उभरते बाजार अर्थव्यव्यस्थाओं के WTO के विवाद निस्तारण प्रणाली के प्रति असंतोष का परिणाम कहना कहाँ तक उचित है? (14 + 06)

8. State and market have complementary roles in economic development." Discuss. Explain in the context of India how the roles of the two and their relative importance have changed after the adoption of structural reforms.

"आर्थिक विकास में बाजार एवं राज्य की भूमिकाएं एक दूसरे की पूरक होती हैं।" विवेचना कीजिये। भारत के सन्दर्भ में समझाइये की संरचनात्मक सुधारों के अपनाये जाने के पश्चात इनकी भूमिकाओं में किस प्रकार परिवर्तन हुआ है। (12+08)

*****